उज्जवला गृह (पुनर्वास गृह)

(1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 तक)

प्रगति प्रतिवेदन

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा पोषित और छ.ग. राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर के सहयोग से एवं कलेक्टर महिला एवं बाल विकास विभाग बिलासपुर की अनुसंशा एवं भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नई दिल्ली की गाईड लाईन के अनुसार संस्था द्वारा बिलासपुर मे उज्जवला परियोजना के अन्तर्गत बचाव, रोक, जागरूकता कार्यक्रम, पीडितो के पुनर्वास सहित सुरक्षात्मक पुनर्वास गृह का संचालन 2016–17 मे भी जारी रखा गया।

संस्था द्वारा राजकिशोर नगर बिलासपुर मे उज्जवला (सुरक्षात्मक महिला पुनर्वास) गृह का संचालन जारी रहा। परियोजना **1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017** तक संस्था की ओर से उज्जवला गृह के लिये नियुक्त किये गये सेवाभावी कार्यकर्ताओ के द्वारा हितग्राहियो /पीडितो को दाखिला दिलाने आग्रह सहित नगरीय थाना मे थाना–सरकण्डा, थाना– सिविल लाईन, महिला थाना, थाना– तोरवा, थाना– तारबहार, सहित नगर सीमा के बाहरी थाना मे थाना– कोनी, थाना– चकरभाठा, थाना– सिरगिट्टी, थाना– सीपत, थाना– मस्तुरी,

थाना– हिर्री एवं थाना– तखतपुर, थाना– कोटा, थाना– रतनपुर, थाना– गौरेला पेण्ड्रा, सहित निकटतम जिला के थाना– मुंगेली, थाना– लोरमी, थाना– पामगढ, थाना–जांजगीर चांपा के थाना प्रभारीयो से सत्त सम्पर्क बनाये रखा गया। चिन्हित एवं हितग्राहियो /पीडितो के होने की संभावना वाले क्षेंत्रो मे नागरिको से संवाद एवं सम्पर्क बनाये रखा गया।

उज्जवला गृह मे 1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 तक मे हितग्राहियो /पीडितो का नया दाखिला की संख्या 166 रहा है। क्रमांक – 269 से 434 तक रहा। 31 मार्च 2016 की स्थिति में 25 पीडित आश्रय गृह मे उपस्थित रहे है। पिछले वर्ष – 2015 – 2016 के शेष हितग्राही– 25 रह थे। इस वर्ष 2016–17 के प्रारंभ मे हितग्राहियो /पीडितो सहित कुल संख्या 191 तक पहुंची। 31 मार्च 2017 की स्थिति मे 11 हितग्राहियो /पीडितो की उपस्थिति रही शेष 18

हितग्राहियो /पीडितो को अन्य गृह मे दाखिल कराया गया, 156 हितग्राहियो /पीडितो को उनके परिजनो को सौपा गया 3 हितग्राहियो /पीडितो को अन्य प्रदेश मे उनके गृह जिला के पुनर्वास गृह मे महिला पुलिस बल के साथ भेजा गया।

टेबल–1– दाखिला एवं पुनर्वास का विवरण – 1 अप्रेल से 15 से 31 मार्च 2016

क्रमांक	माह	दाखिला संख्या	खारिज संख्या
0	31 मार्च 2016 को उपस्थिति संख्या	25	–
1	माह अप्रेल 2016	12	19
2	माह मई 2016	09	12
3	माह जून 2016	24	26
4	माह जुलाई 2016	06	07
5	माह अगस्त 2016	23	23
6	माह सितम्बर 2016	07	05
7	माह अक्टुम्बर 2016	12	15
8	माह नवम्बर 2016	14	08
9	माह दिसंम्बर 2016	20	24
10	माह जनवरी 2017	12	14
11	माह फरवरी 2017	12	12
12	माह मार्च 2017	14	15
कुल योग		191	180
31 मार्च 2017 को गृह मे उपस्थिति संख्या			11

पुनर्वास गृह मे दाखिल सभी पीडितो को मौलिक सूविधा सहित भोजन, शिक्षा, विधिक सहायता और उनका स्वास्थ्य परीक्षण सहित परामर्श की सूविधा (व्यक्तिगत परामर्श, सामाजिक परामर्श, विधि सम्बन्धी परामर्श) की की सूविधा प्रदान की गई नाबालिग पीडितो को बाल कल्याण समिति बिलासपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया एवं वयस्क पीडितो को शिक्षा एवं आय सृजन की गतिविधियो के लिये उनकी रूचि अनुसार प्रशिक्षण की सूविधा प्रदान की गई।

टेबल–2 – दाखिला, पुनर्वास, परिवारिक एवं सामाजिक एकीकरण का विवरण –

1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 की स्थिति

1	Number of Beneficiaries in the Home					
	Age Specification	**0-5 yrs**	**06-14 yrs**	**15-18 yrs**	**above 18**	**Total**
	No. of Beneficiaries on the first day of the Year (A)	**02**	02	05	16	25
	New Admission During the Year (B)	**15**	13	17	121	166
	Referred by CWC	00	00	00	00	00
	Referred by NGOs/Staffs	00	00	01	35	36
	Referred by Police	14	12	22	83	131
	Referred by Childline/other helplines	00	00	00	08	08
	Referred by others	02	00	01	13	16
	Beneficiaries who have moved out from the institution during the quarter (C)	**17**	**16**	**23**	**124**	**180**
	Transferred to other homes	06	02	00	10	18
	Reunified with Family	10	14	22	110	156
	Transferred to the Home state	00	00	00	03	03
	Transferred to the home countries	00	00	00	00	00
	Self Employed/Placed with a job	00	00	00	00	00
	Runaway/Missing	00	00	00	00	00
	Death	01	00	01	01	03
	Others	00	00	00	00	00
	Grand Total (A+B) – C	**00**	**00**	**00**	**11**	**11**

टेबल–3 – उज्जवला गृह के पीडितो का वर्गीकरण /विवरण एवं स्थिति –

1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 के पीडितो की स्थिति/वर्गीकरण

2	**Rescue Details**	**From Commercial Sexual Exploitation**	**From threat of getting trafficked**	**Others**	**Total**
	Number of Beneficiaries rescued within the district	116	08	53	177
	Number of Beneficiaries rescued from the state	11	00	03	14
	Number of Beneficiaries rescued from other states	00	00	00	00
	Total	**127**	**08**	**56**	**191**

टेबल–4 – पीडितो का वर्गीकरण सहित विवरण एवं स्थिति –

1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 के पीडितो की छ.ग. और अन्य राज्य की स्थिति/वर्गीकरण

3	Residential status/Nationality of the beneficiaries	On the first day of quarter	New Admissions during the quarter	Total
	Number of Beneficiaries from the state	16	128	144
	Number of Beneficiaries from other states	09	38	47
	Number of Beneficiaries from other countries	00	00	00
	Total	**25**	**166**	**191**

टेबल–5 – पीडितो को दी गई सुविधाओ का विवरण एवं स्थिति –

1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 के पीडितो को दिये जाने वाली सुविधाए इस प्रकार से है

4	Services Offered to the Beneficiaries	Counselling	Education		Medical	Vocational training	Income Generation Activities	Total
			Non Formal	Formal				
	Number of Beneficiaries on the first day of the quarter	16	09	00	25	16	00	25
	Number of newly admitted Beneficiaries	121	45	00	166	121	00	166
	Total	**137**	**54**	00	191	137	00	191

टेबल–6 – पीडितो के मामाला की स्थिति –

1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 के पीडितो के प्रकरण एवं मामला इस प्रकार से है

5	Legal Aid Information	No. of FIR	Number of Chargesheet	Number of ongoing trials	Number of persons Convicted
	Number of cases at the beginning of the quarter	19	00	00	00

	Number of new cases during the quarter	19	00	00	00
	Total	**38**	00	00	00

टेबल–7 – पीडितो की आवासीय स्थिति –

1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 के पीडितो के आवास की स्थिति इस प्रकार से है

6	Information on staying period of the Beneficiaries					
	Duration of Stay	**0-3 months**	**4-6 months**	**7 - 12 months**	**13 - 18 months**	**More than 18 months**
	No. of Beneficiaries left the P&R Home during the quarter	173	07	08	00	03

उज्जवला मानव तस्करी और व्यवसायिक यौन शोषण के व्यापार से बचाव, रोक,जागरूकता, सुरक्षात्मक पुनर्वास कार्यक्रम (1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017 तक)

संस्था के सेवाभावी कार्यकर्ताओ द्वारा बिलासपुर नगर मे यौन व्यवसाय के चिन्हित क्षेत्र **नगरीय क्षेत्रो** मे ताला पारा, मगरपारा, चिंगराजपारा, चाटीडीह, बंधवापारा, सरकण्डा, हेमु नगर, रेलवे स्टेशन, मालधक्का, व्यापार विहार, जरहाभाठा एवं **ग्रामीण क्षेत्रो** तिफरा, छतौना, चकरभाठा, हिर्री, सरगांव, उस्लापुर, सकरी, लालखदान, ढेका, मस्तुरी, मे आंकलन का कार्य प्रारंम्भ किया गया। इन क्षेत्रो मे चाय वाला, पानवाला, फलवाला, होटल वाला, स्थानीय महिला सामाजिक कार्यकर्ताओ, स्वसहायता समूह के सदस्यो से सम्पर्क एवं संवाद किया गया और हितग्राहियो /पीडितो के सम्बन्ध मे जानकारी ली गई। उन सभी को बिलासपुर मे उज्जवला परियोजना के संचालन का लक्ष्य, उध्देश्य, सहित सुरक्षात्मक पुनर्वास गृह मे हितग्राहियो /पीडितो को दी जाने वाली सूविधाएं, व्यक्तिगत एवं मौलिक सूविधाएं, भोजन, दिनचर्या, डाक्टर की सूविधा सहित परामर्श और मानसिक उपचार की सूविधा सहित आय सृजन की गतिविधियो के लिये प्रशिक्षण, परिवारिक, सामाजिक विवाद के निपटारा के लिये परामर्श सहित विधि सहायता की सूविधा की जानकारी दी गई।

बचाव रोक एवं जागरूकता, सुरक्षा सहित पुनर्वास परियोजना अन्तर्गत संस्था द्वारा **1 अप्रेल 2016 से 31 मार्च 2017** तक संस्था के सेवाभावी कार्यकर्ताओ द्वारा बिलासपुर नगर मे यौन व्यवसाय के चिन्हित क्षेत्र उन सभी को बिलासपुर मे उज्जवला परियोजना के अन्तर्गत मानव तस्करी एवं व्यवसायिक यौन शोषण के व्यापार पीडितो के लिये बचाव, रोक, जागरूकता, सुरक्षात्मक पुनर्वास सहित सुरक्षात्मक पुनर्वास गृह के संचालन का लक्ष्य, उध्देश्य की जानकारी दी गई।

संस्था की ओर से उज्जवला परियोजना के सेवाभावी कार्यकर्ताओ के द्वारा हितग्राहियो /पीडितो को **उज्जवला मानव तस्करी और व्यवसायिक यौन शोषण के व्यापार से बचाव, रोक, सुरक्षात्मक पुनर्वास एवं जागरूकता कार्यक्रम के प्रचार प्रसार के लिये** नगरीय थाना मे थाना–सरकण्डा, थाना– सिविल लाईन, महिला थाना, थाना– तोरवा, थाना– तारबहार, सहित नगर सीमा के बाहरी थाना

मे थाना– कोनी, थाना– चकरभाठा, थाना– सिरगिट्टी, थाना– सीपत, थाना– मस्तुरी, थाना–हिर्री एवं थाना– तखतपुर, थाना– कोटा, थाना– रतनपुर, थाना– गौरेला पेण्ड्रा, सहित निकटतम जिला के थाना– मुंगेली, थाना– लोरमी, थाना–पामगढ, थाना–जांजगीर चांपा के थाना प्रभारीयो से सतत सम्पर्क बनाये रखा गया। चिन्हित एवं हितग्राहियो /पीडितो के होने की संभावना वाले क्षेंत्रो मे नागरिको से संवाद एवं सम्पर्क बनाये रखा गया।

संस्था के सेवाभावी कार्यकर्ताओ द्वारा स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओ, स्वसहायता समूह सदस्यो, जन प्रतिनिधियो, सामुदायिक कार्यकर्ताओ से धरातलीय सम्पर्क एवं संवाद

बिलासपुर नगरीय क्षेत्र मे हेमुनगर, मोपका, देवरीखुर्द, तारबहार, उस्लापुर को मानव तस्करी एवं व्यवसायिक यौन शोषण के लिये जोखिम क्षेत्र उस्लापुर, हेमु नगर, मोपका, खमतराई एवं जरहाभाठा क्षेत्र मे जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत उक्त चिन्हित क्षेत्र मे

1. तरूण किशोर किशोरी वर्ग का समूह गठन,
2. सजगता के लिये निगरानी समूह का गठन,
3. जागरूकता के लिये सभी चिन्हित क्षेत्र मे कार्यशाला/सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रत्येक कार्यशाला मे 100 स्थानीय जिसमे जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वसहायता समूह सदस्यो, पार्षद गण, सरपंच एवं पंचो की भागीदारी रही है।
4. स्थानीय स्तर पर कला जत्था समूह के लिये रूचि लेने वाले सदस्यो को जोडकर सभी 5 स्थानो मे कलाजत्था समूह का गठन कराया गया।
5. उक्त कार्यक्रम के प्रचार प्रसार और स्थानीय नागरिको की रूचि बढाने, भागीदारी बढाने के लिये बेनर, पोस्टर, पम्पलेट, स्टीकर सभी स्थानीय भाषा मे छपवाया गया।